हिंदी मॉडल प्रश्नपत्र ~2021

कक्षा 12

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] **पूर्णांक-100**

निर्देश : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड- (क)

प्र० 1. (क) **'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक थे–** 1

(i) डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) पद्मसिंह शर्मा (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

(ख) **'संस्कृति के चार अध्याय' के रचनाकार हैं–** 1

(i) रामधारीसिंह 'दिनकर' (ii) डॉ0 नगेन्द्र

(iii) डॉ0 धर्मवीर भारती (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी।

(ग) **खड़ीबोली के 'लेखक चतुष्टय' उन्नायकों में नहीं हैं–** 1

(i) मुंशी सदासुख लाल (ii) इंशा अल्ला खाँ

(iii) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'

(iv) सदल मिश्र।

(घ) **हिन्दी में खड़ीबोली का जन्मदाता माना जाता है–** 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को (ii) प्रताप नारायण मिश्र को

(iii) गुलाबराय को (iv) लाला लल्लूलाल को।

(ङ) **छायावादोत्तर काल है–** 1

(i) सन् 1868 से सन् 1900 तक

(ii) सन् 1901 से सन् 1925 तक

(iii) सन् 1938 से अब तक

(iv) सन् 1925 से आज तक।

प्र० 2. (क) **'चित्राधार' कृति के रचनाकार हैं–** 1

(i) सुमित्रानन्दन पंत (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) रामधारीसिंह 'दिनकर' (iv) मैथिलीशरण गुप्त।

(ख) **आधुनिक काल की कविता से सम्बन्धित नहीं है–** 1

(i) सहज भावों के प्रति सजगता (ii) स्वदेश प्रेम

(iii) अलंकारों का चमत्कारिक प्रयोग

(iv) मार्क्सवादी भावों की प्रचुरता।

(ग) **पत्र-पत्रिकाओं का सबसे अधिक सम्पादन कार्य हुआ–** 1

(i) भारतेन्दु युग में (ii) शुक्ल युग में

(iii) छायावादी युग में (iv) छायावादोत्तर काल में।

(घ) **'प्रकृति के सुकुमार कवि' कहे जाते हैं–** 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) महादेवी वर्मा (iv) रामधारीसिंह 'दिनकर'।

(ङ) **'कितनी नावों में कितनी बार' कृति के रचनाकार हैं–** 1

(i) डॉ0 धर्मवीर भारती (ii) 'अज्ञेय'

(iii) हरिवंश राय 'बच्चन' (iv) जय प्रकाश।

प्र० 3. निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए : 2+2+2+2+2=10

नश्तर तेज था, चुभन गहरी, पर मदर का कलेजा उससे अछूता रहा। बोलीं, "हिटलर बुरा था, उसने लड़ाई छेड़ी, पर उससे इस लड़की का भी घर ढह गया और मेरा भी; हम दोनों एक।" 'हम दोनों एक' मदर टेरेजा ने झूम में इतने गहरे डूबकर कहा कि जैसे मैं उनसे उनकी लड़की को छीन रहा था और उन्होंने पहले दाँव में मुझे चारों-खाने दे मारा। मदर चली गईं, मैं सोचता रहा : 'मनुष्य-मनुष्य के बीच मनुष्य ने ही कितनी दीवारें खड़ी की हैं–ऊँची दीवारें, मजबूत फौलादी दीवारें, भूगोल की दीवारें, जाति-वर्ग की दीवारें, कितनी मनहूस, कितनी नगण्य पर कितनी अजेय!'

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

(iii) लेखक के प्रश्न के उत्तर में मदर टेरेजा ने क्या कहा?

(iv) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस बात का संकेत किया है?

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में किस प्रसंग का प्रतिपादन किया गया है?

(iv) भाषा किसका अभिन्न अंग है, और क्यों?

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

प्र० 4. पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2×5=10

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो।
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो।
मेरा होना अति मलिन औ सूखते नित्य जाना।।

कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो।
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही।
धीरे धीरे सँभल रखना औ उन्हें यों बताना।
पीला होना प्रबल दुख से प्रोषिता सा हमारा।।

(i) राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती हैं?

(ii) सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या संदेश देना चाहती है?

(iii) पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है?

(iv) उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक तथा रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए।

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात।

जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल।''

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii) इस पद्यांश के रचनाकार कौन हैं?

(iii) इस पद्यांश में किस प्रसंग का वर्णन है?

(iv) 'एक-परदा यह झीना नील' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

प्र० 5. (क) **निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए–** 3+2=5

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

(i) डॉ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

(iii) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय एवं उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए–** 3+2=5

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

(i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त (iv) मैथिलीशरण गुप्त

प्र० 6. **'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।** 5

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

अथवा 'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र० 7. **स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्नों का उत्तर दीजिए–** 5

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

(क) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की किसी एक घटना का उल्लेख कीजिए जो आपको अच्छी लगी हो।

अथवा 'सत्य की जीत' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना को संक्षेप में लिखिए।

(ङ) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की सामान्य विशेषताओं को लिखिए।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिएं।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड - ख

प्र० 8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत्। पण्डित मोतीलाल नेहरू, लाला लाजपतराय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः। देहल्यां त्रयोविंशतितमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्य विरोधेऽस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आङ्ग्लशासकाः भीताः जाताः। बहुवारं कारागारे निक्षिप्तोऽपि अयं वीरः देशसेवाव्रतं नात्यजत्।

अथवा

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यम्, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशी किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

(ख) **निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** **2 + 5 = 7**

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

अथवा

जुगोपात्मानमत्रस्तो भेजे धर्ममनातुरः।
अगृध्नुराददे सोऽर्थमसक्तः सुखमन्वभूत्।।

प्र० 9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– **2 + 2 = 4**

(i) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्?
(ii) हंसराजः परिषन्मध्ये कस्मै स्व दुतितरम् अददात्?
(iii) महर्षेः दयानन्दस्य पितुः नाम किम् असीत्?
(iv) कीदृशम् मित्रं वर्जयेत्?

प्र० 10. (क) हास्य रस **अथवा** शान्त रस का स्थायी भाव के साथ परिभाषा या उदाहरण दीजिए। **2**

(ख) 'श्लेष', 'भ्रान्तिमान' तथा 'रूपक' में से किसी **एक** अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। **2**

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' सवैया का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। **2**

प्र० 11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए– **2 + 7 = 9**

(i) पर्यावरण और हमारा कर्त्तव्य।

(ii) स्वदेश प्रेम।

(iii) आदर्श शिक्षक के गुण।

(iv) जीवन में श्रम का महत्त्व।

(v) 'जय जवान-जय किसान'।

प्र० 12. (क) (i) **'पावकः' का संधि-विच्छेद होगा–** 1

(अ) पा + वकः (ब) पो + अकः

(स) पौ + अकः (द) पा + आवकः

(ii) **'इत्यादि' का संधि-विच्छेद होगा–** 1

(अ) इत्य + आदि (ब) इति + आदि

(स) इत्या + दि (द) इत + यादि

(iii) **'पेष + ता' की सन्धि होगी–** 1

(अ) पेष्ता (ब) पेष्टा

(स) पेश्ता (द) पेस्ता

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–** 1+1=2

(अ) आजन्मः (ब) विद्याधनम्

(स) उपगंगम्

प्र० 13. (क) (i) **आत्मन् शब्द का तृतीया बहुवचन रूप होगा–** 1

(अ) आत्मना (ब) आत्मने

(स) आत्मभिः (द) आत्मनः

(ii) **'नामन्' शब्द षष्ठी विभक्ति द्विवचन का रूप लिखिए–** 1

(ख) (i) **पा धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप होगा–** 1

(अ) पिबाम् (ब) पिबत

(स) पिबन्तु (द) पिबाव

(ii) 'तिष्ठतु' का धातु लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए। 1

(ग) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए– 1

(अ) कृतम् (ब) पठित्वा

(स) हत्वा

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए– 1

(अ) दृष्ट्वा (ब) दत्वा

(स) पूजयित्वा

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे संबंधित नियम का उल्लेख कीजिए– 1 + 1 = 2

(i) ग्रामम् अभितः वृक्षाः सन्ति।

(ii) गिरिधरः शिरसा खल्वाटोऽस्ति।

(iii) गंगा हिमालयात् निस्सरति।

प्र0 14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– 2 + 2 = 4

(i) हमें अपने देश की रक्षा करनी चाहिए।

(ii) युद्ध से सम्पूर्ण पृथ्वी का विनाश हो जायेगा।

(iii) संसार में सभी लोग सुख चाहते हैं।

(iv) पंचशील शिष्टाचार विषयक सिद्धान्त है।